हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 299 | देहरादून, सोमवार, 30 मई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

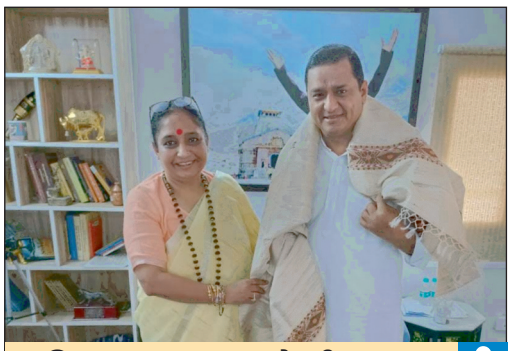

विधानसभा अध्यक्ष ने की सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात

3

केदारनाथ में गंदगी देखकर दुखी हूं : प्रधानमंत्री मोदी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में खास तौर पर चार धाम यात्रा का जिक्र किया। आपको बता दें कि देवभूमि और ख़ास कर बाबा केदार के प्रति पीएम मोदी की गहरी आस्था है ऐसे में उन्होंने जब यात्रा का जिक्र किया तो लोग उत्साहित थे कि वो कुछ आध्यत्मिकता की बाते कहेंगे। लेकिन उन्होंने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को प्रेरित करने के लिए कुछ ख़ास मुद्दे उठाये। इस दौरान उन्होंने चारधाम यात्रा का भी जिक्र करते हुए उत्तराखंड के देवर गांव की चंपा देवी और गुप्तकाशी के सुरेंद्र की पर्यावरण संरक्षण के अभियान की प्रशंसा की।

केदारनाथ में फैलाई जा रही गंदगी से दुखीप्रधानमंत्री ने मन की बात में चारधाम यात्रा पर आ रहे तीर्थयात्रियों से अपील करते हुए कहा कि हमें तीर्थ स्थलों की गरिमा को बनाए रखने की जरूरत है। इस समय चार धाम में हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। लेकिन कुछ यात्रियों द्वारा केदारनाथ में गंदगी फैलाई जा रही है। जिससे वह दुखी हैं।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस संबंध में अपनी बात रखी है। इस दौरान पीएम मोदी ने अपील की कि हम पवित्र यात्रा में जाएं और वहां गंदगी का ढेर हो, यह ठीक नहीं है। सुचिता, साफ-सफाई, एक पवित्र वातावरण को हमें कभी भूलना नहीं चाहिए। उसे जरूर बनाए रखें।कहा कि जहां श्रद्धा है, वहां सृजन और सकारात्मकता भी है। कई श्रद्धालु ऐसे भी हैं जो बाबा केदार के धाम में दर्शन-पूजन के साथ-साथ स्वच्छता की साधना भी कर रहे हैं। कोई अपने ठहरने के स्थान के पास सफाई कर रहा है, तो कोई यात्रा मार्ग से कूड़ा-कचरा साफ कर रहा है। देखना होगा कि पीएम की इस अपील का यात्रा मार्ग में चल रहे लोगों पर कितना असर दिखाई देता है।

IMA की पासिंग आउट परेड 11 जून को, सेना को मिलेंगे 288 जांबाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोवा और यूपी में स्थिति साफ़ होने के बाद भी उत्तराखंड में संशय बरकरार है जिसकी वजह से कई दावेदारों के दिल बेक़रार है। पहले जहाँ उम्मीद थी कि धामी रिटर्न्स की फिल्म ही लिखी जा रही है लेकिन जिस तरह से दिल्ली से लौटकर निर्वर्तमान सीएम देहरादून की बजाय खटीमा पहुंचे हैं उससे कयास लगाए जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा में हो रहे विलंब की वजह कुछ और है। अब तो दावेदार भी अपनी संभावनाओं को लेकर प्रयासों में जुटे हैं। इस परिदृश्य के बीच जैसी परिस्थितियां हैं, वे इस तरफ इशारा कर रही हैं कि राज्य में भाजपा विधायक दल के नेता का नाम होली के बाद ही स्थिति सामने आ सकता है।

उत्तराखंड से राज्यसभा जाएंगी डा. कल्पना सैनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड से रिक्त होने जा रही राज्यसभा की एक सीट के लिए भाजपा ने डा कल्पना सैनी को प्रत्याशी बनाया है। शिक्षाविद् डा सैनी वर्तमान में उत्तराखंड पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष हैं। राज्य विधानसभा में भाजपा के पास दो-तिहाई बहुमत होने के चलते उनकी जीत तय है। इसके साथ ही पिछले कई दिनों से चल रही उस चर्चा पर भी विराम लग गया, जिसमें कहा जा रहा था कि भाजपा राज्य के बाहर से भी प्रत्याशी उतार सकती है।

उत्तराखंड से राज्यसभा की तीन सीटों में से वर्तमान में दो भाजपा के पास हैं। रिक्त हो रही तीसरी सीट का प्रतिनिधित्व कांग्रेस के प्रदीप टम्टा कर रहे हैं। इस सीट के लिए 10 जून को चुनाव होना है। इसे देखते हुए भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने प्रदेश भाजपा से दावेदारों के नाम का पैनल मांगा था। दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय संसदीय बोर्ड की बैठक में प्रत्याशी के लिए डा कल्पना सैनी के नाम पर मुहर लगी।

मूल रूप से हरिद्वार जिले के ग्राम शिवदासपुर-तेलीवाला (रुड़की) निवासी डा सैनी हरिद्वार जिले में भाजपा के बड़े चेहरों में शामिल हैं। राजनीति उन्हें विरासत में मिली। उनके पिता पृथ्वी सिंह विकसित उत्तर प्रदेश में सिंचाई मंत्री रहे हैं। वह लंबे समय तक गांधी महिला शिल्प इंटर कालेज रुड़की की प्राचार्य रहीं। उन्होंने हरिद्वार भाजपा के जिलाध्यक्ष समेत अन्य पदों पर भी कार्य किया।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

चार धाम मंदिर समिति की भर्ती में भाजपा ने किया बड़ा भृष्टाचार : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चार धाम यात्रा के साथ ही उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता , और सदन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने धामी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि उत्तराखंड में भाजपा की सरकार में मंत्री और दायित्व धारियों में अपने परिजनों व नजदीकियों को नौकरियों पर लगाने या जो पहले किसी तरह नौकरियों में लगे हैं उन्हें अनैतिक लाभ पंहुचाने की होड़ लगी है। श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में शीर्ष पद पर विराजमान कुछ पदाधिकारीगण और अधिकारियों ने अपने परिजनों को हाल ही में बोर्ड की एक बैठक में निर्णय लेकर वेतन आदि में लाभ पंहुचाया है । बाद में मंदिर समिति के कर्मचारियों द्वारा विरोध करने पर हर तरह से अवैध उस निर्णय को वापस ले लिया गया। इस निर्णय द्वारा जिन संविदा कर्मियों या कार्मिकों को फायदा पंहुचाया जा रहा था वे सभी मंदिर समिति के पदाधिकारियों , सदस्यों या अधिकारियों के परिजन थे।

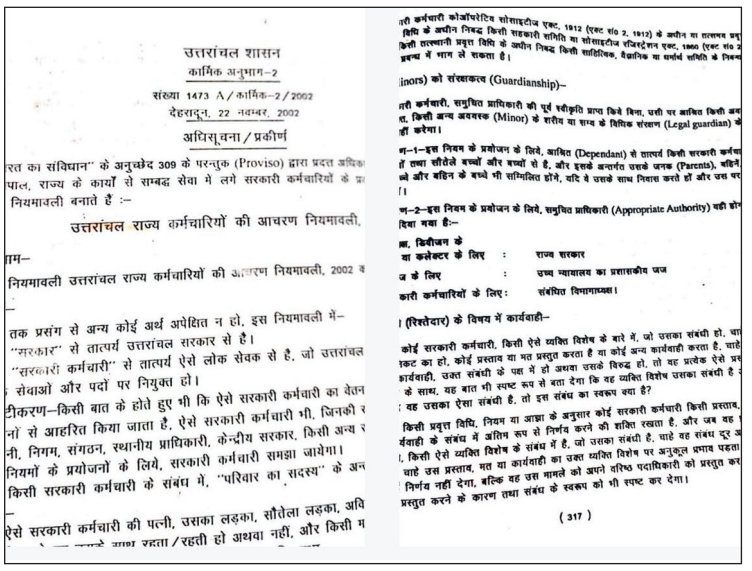

भाजपा सरकारों में नियुक्त श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के बोर्डों में पहले भी अध्यक्षों और सदस्यों ने नौकरियों की रेवड़ियां , प्रमोशन , वेतन बृद्धि आदि अपने परिवार के लोगों, रिश्तेदारों या करीबियों को ही बांटी हैं। कभी उत्तराखण्ड बनने के बाद मंदिर समिति को आजादी के बाद के उच्च स्तर पर पंहुचाने की बात करने वाली पार्टी और उसके मंत्रियों द्वारा मंदिर समिति में नियुक्त अधिकांश पदाधिकारी अब अपने परिजनों को संविदा की नौकरी दिलवाने या वेतन बड़ाने तक ही सीमित हो गए हैं। आजादी के बाद कांग्रेस के कार्यकाल में मंदिर समिति में वरिष्ठ नौकरशाहों जिनमें आई0सी0एस0 अधिकारी भी थे या सार्वजनिक जीवन से जुड़े बहुत ही सफल और श्रेष्ठ महानुभावों को समिति का पदाधिकारी बनाया जाता था। ये सभी लोग मंदिर से कुछ भी नहीं लेते थे बल्कि अपने संबधों के द्वारा मंदिर की आय और प्रतिष्ठा में वृद्धि करते थे। भाजपा सरकारों में इन परम्पराओं का अवमूल्यन हुआ है और आज समिति के पदाधिकारी और अधिकारी अपने परिजनों को संविदा की नौकरी दिलवाना या वेतन बड़ाना ही अपनी उपलब्धि मान रहे हैं। बिगड़ते-बिगड़ते आज स्थिति यह हो गयी है कि, अधिकांश मंदिर समिति का कार्मिक होने के लिए एकमात्र योग्यता समिति के पदाधिकारियों , सदस्यों या अधिकारियों का परिजन होना या निकटस्थ होना रह गया है। जबकि मंदिर के रोजगार पर पहला हक पीढ़ियों से मंदिरों के सेवा कर रहे हक-हकूकधारी गांवों के साधारण बेरोजगारों का होना चाहिए। ये युवा परम्पराओं को जानते हैं और इन परम्पराओं की रक्षा उनके पूर्वज करते आए हैं अतः वे मर्यादाएं भी जानते हैं। एक ओर जहां पदाधिकारी और सदस्य अपने परिजनों को अनैतिक लाभ देने के कोशिस कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर गरीबों के बच्चे सालों बेहद कम वेतन में काम कर रहे हैं । उनका न तो वेतन बड़ाया जा रहा है न ही उन्हें स्थाई किया जा रहा है।

उत्तरांचल शासन
कार्मिक अनुभाग-2
संख्या 1473 A / कार्मिक-2 / 2002
देहरादून, 22 नवम्बर, 2002
अधिसूचना / प्रकीर्ण

...रत का संविधान'' के अनुच्छेद 309 के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त अधिका...
...पाल, राज्य के कार्यों से सम्बद्ध सेवा में लगे सरकारी कर्मचारियों के प्र...
नियमावली बनाते हैं :-

उत्तरांचल राज्य कर्मचारियों की आचरण नियमावली,

...ाम-
नियमावली उत्तरांचल राज्य कर्मचारियों की आचरण नियमावली, 2002 क...

...तक प्रसंग से अन्य कोई अर्थ अपेक्षित न हो, इस नियमावली में-
''सरकार'' से तात्पर्य उत्तरांचल सरकार से है।
''सरकारी कर्मचारी'' से तात्पर्य ऐसे लोक सेवक से है, जो उत्तरांचल...
...सेवाओं और पदों पर नियुक्त हो।
...टीकरण-किसी बात के होते हुए भी कि ऐसे सरकारी कर्मचारी का वेतन...
...नों से आहरित किया जाता है, ऐसे सरकारी कर्मचारी भी, जिनकी...
...नी, निगम, संगठन, स्थानीय प्राधिकारी, केन्द्रीय सरकार, किसी अन्य...
...सरकारी कर्मचारी समझा जायेगा।
नियमों के प्रयोजनों के लिये, सरकारी कर्मचारी...
किसी सरकारी कर्मचारी के संबंध में, ''परिवार का सदस्य'' के अन...
ऐसे सरकारी कर्मचारी की पत्नी, उसका लड़का, सौतेला लड़का, अवि...
...रहता / रहती हो अथवा नहीं, और किसी म...

...री कर्मचारी कोऑपरेटिव सोसाइटीज एक्ट, 1912 (एक्ट सं0 2, 1912) के अधीन या तत्समय प्रवृ...
...विधि के अधीन निबद्ध किसी सहकारी समिति या सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 (एक्ट सं0 2...
...किसी तत्स्थानी प्रवृत्त विधि के अधीन निबद्ध किसी साहित्यिक, वैज्ञानिक या धर्मार्थ समिति के निबन्...
...प्रबन्ध में भाग ले सकता है।

...inors) को संरक्षकत्व (Guardianship)-

...री कर्मचारी, समुचित प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति प्राप्त किये बिना, उसी पर आश्रित किसी अव...
...किसी अन्य अवयस्क (Minor) के शरीर या सम्पत्ति के विधिक संरक्षण (Legal guardian) के...
...हीं करेगा।

...ण-1-इस नियम के प्रयोजन के लिये, आश्रित (Dependant) से तात्पर्य किसी सरकारी कर्मचा...
...तथा सौतेले बच्चों और बच्चों से है, और इसके अन्तर्गत उसके जनक (Parents), बहिनें,...
...बच्चे और बहिन के बच्चे भी सम्मिलित होंगे, यदि वे उसके साथ निवास करते हों और उस पर...

...ण-2-इस नियम के प्रयोजन के लिये, समुचित प्राधिकारी (Appropriate Authority) वही हो...
दिया गया है:-

...डिवीजन के ...या कलेक्टर के लिए	:	राज्य सरकार
...ज के लिए	:	उच्च न्यायालय का प्रशासकीय जज
...कारी कर्मचारियों के लिए	:	संबंधित विभागाध्यक्ष।

...(रिश्तेदार) के विषय में कार्यवाही-

...कोई सरकारी कर्मचारी, किसी ऐसे व्यक्ति विशेष के बारे में, जो उसका संबंधी हो, चा...
...कट का हो, कोई प्रस्ताव या मत प्रस्तुत करता है या कोई अन्य कार्यवाही करता है, चाहे...
...कार्यवाही, उक्त संबंधी के पक्ष में हो अथवा उसके विरुद्ध हो, तो वह प्रत्येक ऐसे प्रस...
...के साथ, यह बात भी स्पष्ट रूप से बता देगा कि वह व्यक्ति विशेष उसका संबंधी है...
...वह उसका ऐसा संबंधी है, तो इस संबंध का स्वरूप क्या है?
...किसी प्रवृत्त विधि, नियम या आज्ञा के अनुसार कोई सरकारी कर्मचारी किसी प्रस्ताव,...
...र्यवाही के संबंध में अंतिम रूप से निर्णय करने की शक्ति रखता है, और जब वह...
...किसी ऐसे व्यक्ति विशेष के संबंध में है, जो उसका संबंधी है, चाहे वह संबंध दूर...
...चाहे उस प्रस्ताव, मत या कार्यवाही का उक्त व्यक्ति विशेष पर अनुकूल प्रभाव पड़ता...
...निर्णय नहीं देगा, बल्कि वह उस मामले को अपने वरिष्ठ पदाधिकारी को प्रस्तुत कर...
प्रस्तुत करने के कारण तथा संबंध के स्वरूप को भी स्पष्ट कर देगा।

(317)

प्राकृतिक न्याय शाश्त्र का सामान्य सिद्धान्त - '' कन्फिल्कट आफ इंटर्स्ट'' , भारत के संविधान में वर्णित विभिन्न प्रावधानों के अनुसार - लाभ देने वाला और लेने वाला एक ही नहीं हो सकता है। इसलिए जिन विभागों और कार्यालयों में परिजन नौकरी कर रहे हो वहां परम्परा और नियमों के अनुसार उनको लाभ पंहुचाने वाले पदों पर राजनीतिक या प्रशासनिक नियुक्तियां नहीं होनी चाहिए। लेकिन मंदिर में ऐसे विरले पदाधिकारी या सदस्य होंगे जिनके परिजन वहां नौकरी न कर रहे हों। ऐसे में प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों से लैस सर्वशक्तिमान मंदिर समिति से कैसे स्वतंत्र निर्णयों की आशा की जा सकती है। उत्तरांचल कर्मचारी सेवा नियमावली 2002 का नियम 17 भी किसी भी पदाधिकारी या अधिकारी द्वारा परिजनों को लाभ देने संबंधी किसी भी निर्णय को लेने पर स्पष्ट रोक लगाता है।

पूर्व मंत्री और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड में सुचिता की बात कर रहे हैं और उसे उन्हें व्यवहारिक रुप में धरातल पर भी उतारना चाहिए। इसलिए उन्हें संतिति के उन सभी पदाधिकारियों , सदस्यों और अधिकारियों जिनके निकट संबधी मंदिर समिति में नौकरी कर रहे हैं उन्हें उनके पदों से हटाना चाहिए। क्योंकि तथ्य सिद्ध करते हैं कि , भाजपा सरकार में मंदिर समिति का अध्यक्ष या सदस्य बनना अपने रिश्तेदारों को नौकरी पर लगवाने की गारंटी बन गया है। मंदिर समिति के संस्कृत महाविद्यालयों में पहले ऐसे अद्भुत विद्वान आचार्य थे जिनकी गणना देश में संस्कृत, ज्योतिष और वेद के सर्वश्रेष्ठ ज्ञाताओं में होती थी परंतु अब समिति के संस्कृत महाविद्यालयों में जिन पदों के लिए पी एच डी तक कि योग्यता चाहिए है पर समिति के सदस्यों के बेहद खराब अकादमिक रिकॉर्ड वाले केवल एम ए पास रिश्तेदार लगाए जा रहे हैं। ऐसे में कैसे संस्कृत की सेवा होगी ? धर्म के नाम पर पल रही भाजपा सरकार बताए कि इन सिफारिशी कार्मिकों से कैसे सनातन धर्म व संस्कृति का भला होगा ? आर्य ने कहा है कि यदि सरकार और समिति ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया तो कांग्रेस पार्टी जल्दी श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में व्याप्त भृष्टाचार को सामने लाएगी और इस पर रोक लगाने के लिए प्रदेश व्यापी आंदोलन करेगी..

तीसरे दीक्षांत समारोह में होगी निजी संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो0 ध्यानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह की तैयारियों के मध्यनजर कुलपति प्रो0 पी0पी0 ध्यानी ने विश्वविद्यालय से सम्बद्ध निजी संस्थानों के चेयरमैन एवं निदेशकों के साथ बैठक की।

श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो0 पी0पी0 ध्यानी ने उत्तराखंड तकनीकी विवि में समीक्षा बैठक ली, जिसमे विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न निजी महाविद्यालयों के चेयरमैन एवं निदेशक भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो0 ध्यानी द्वारा बताया कि विवि से सम्बद्ध निजी संस्थान तृतीय दीक्षांत समारोह में अपने ध्वज एवं स्टैंडी (बैनर) लगायेंगे। जिसमें उनके संस्थानों के उत्कृष्ट कार्य एवं गतिविधियां उल्लिखित होंगी। प्रो0 ध्यानी ने कहा कि सभी निजी संस्थान विश्वविद्यालय के अभिन्न अंग हैं। जिस कारण विश्वविद्यालय संचालित होता है। संस्थानों के चेयरमैनों एवं निदेशकों द्वारा ध्वनिमत से स्वीकृति दी गई कि दीक्षांत समारोह को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने हेतु सहयोग प्रदान करेंगे। जिस पर कुलपति द्वारा सभी का धन्यवाद दिया गया एवं सभी निजी संस्थान के सहयोग से ही विश्वविद्यालय के इस सर्वोच्च कार्यक्रम को सफल बनाया जा सकेगा। कुलपति प्रो0 ध्यानी ने संतोष व्यक्त करते हुये कहा कि दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिये गठित विभिन्न समितियों को आवंटित कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरे किये जाने हेतु समितियां कटिबद्ध है। इस मौके पर कुलसचिव खेमराज भट्ट द्वारा निजी संस्थानों को अवगत कराया गया कि कार्यक्रम में संस्थानों के चेयरमैन एवं निदेशकों को आमंत्रण हेतु निमंत्रण दिया जायेगा। जिस पर संबंधित की स्वीकृति के उपरांत ही सम्बंधित को पृथक से स्थान एवं अन्य व्यवस्थाएं की जायेंगी। इसके अतिरिक्ति कोई संस्थान अपने किसी चिर-परिचित के नाम से स्वर्ण पदक (टॉपर छात्र/छात्राओं को दिये जाने हेतु) विश्वविद्यालय को देना चाहता है तो इस संबंध में विश्वविद्यालय से नियमानुसार अनुमति लेनी होगी। जिसके उपरांत ही वितरण के संबंद्ध में निर्णय लिया जायेगा। इसके अतिरिक्त निजी संस्थानों द्वारा अपनी समस्याओं को कुलपति के सम्मुख प्रमुखता से उठाया गया। इस संबंध में कुलपति द्वारा अवगत कराया गया कि दीक्षांत समारोह सम्पन्न होने के उपरांत पृथक से इन समस्याओं यथा सम्बद्धता, परीक्षा इत्यादि के संबंद्ध में निजी संस्थानों के चेयरमैनों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के मध्य निर्णयात्मक बैठक आयोजित की जायेंगी।

बैठक में विश्वविद्यालय के कुलसचिव खेमराज भट्ट, सहायक कुलसचिव देवेंद्र रावत, प्रभारी प्रशासन सुनील नौटियाल सहित विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न निजी संस्थानों के चेयरमैन प्रो0 पी0डी0 जुयाल (पूर्व कुलपति), राम कुमार शर्मा, ललित जोशी, अजय जसोला, निशांत थपलियाल, पी0के0 जैन, अजय सिंह, नितिन तोमर, जितेन्द्र यादव, सौरभ शर्मा, संदीप चौधरी, एच0एल0 उपाध्याय, बालकृष्ण नौटियाल, प्रशांत जोशी, वीर विक्रम सिंह, डॉ0 राजेश तिवारी, अजय सिंह, पुष्कर नगन्याल, गोपाल अग्रवाल, संजय गर्ग एवं संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ब्रिगेडियर के जी बहल ने लिखी अंग्रेज़ी में गीता, जूना अखाड़े ने दी बधाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के सीनियर सोशल एक्टिविस्ट और कांग्रेस पार्टी के जुड़े ब्रिगेडियर बहल द्वारा गीता के अंग्रेजी काव्य रूप अनुवाद पर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी हैं।उन्होंने कहा कि गीता संदेश पूरे विश्व के मानव के लिए लाभकारी है।

आपको बता दें कि अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर के जी बहल द्वारा श्रीमद्भगवत गीता के अंग्रेज़ी काव्य में अनुवाद के प्रकाशन के लिए जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य अवधेशानंद गिरी जी महाराज ने अपनी शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सूर्यकांत धस्माना के साथ ब्रिगेडियर के जी बहल अपने द्वारा अंग्रेज़ी काव्य रूप में अनुवादित गीता के प्रकाशन के लिए आशीर्वाद व शुभकामनाएं लेने जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी के पास पहुंचे व उनको अनुवादित गीता सौंपी जिसके अवलोकन के बाद स्वामी अवधेशानंद ने ब्रिगेडियर बहल के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित ही उनके द्वारा किये गए गीता के अंग्रेज़ी काव्य रूपी अनुवाद का लाभ दुनिया के उन करोड़ों लोगों को होगा जिनकी मातृभाषा अंग्रेज़ी है ।

स्वामी जी ने कहा कि गीता एक ऐसा अद्भुत ग्रंथ है जो पूरी दुनिया के मानव जाति के लिए है व उसके संदेश शाश्वत हैं जो कल आज और आने वाले कल हमेशा एक जैसे ही सत्य रहेंगे। उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेरा सूर्यकांत धस्माना को उनके सामाजिक कार्यों के लिए हौसला बढ़ाते हुए शुभकामनाएं दी और ब्रिगेडियर बहल को आशीर्वाद व गीता अंग्रेज़ी काव्य रूप अनुवाद के प्रकाशन के लिए बधाई दी। स्वामी अवधेशानंद गिरी जी ने धस्माना को अपने संदेशों की पुस्तिका फुटप्रिंट्स 2 भेंट की व उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। सूर्यकांत धस्माना के साथ डॉक्टर राजेन्द्र पराशर भी उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने की सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने दिल्ली में राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच उत्तराखंड की विकास योजनाओं एवं कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर वार्ता हुई।

राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी ने विधानसभा अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए पुष्प गुच्छ भेंट किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कोटद्वार को जिला बनाने से लेकर क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर सांसद से विस्तार मे चर्चा वार्ता की। सांसद ने उत्तराखंड के आगामी बजट सत्र की तैयारियों को लेकर भी विधानसभा अध्यक्ष से जानकारी ली। बता दें कि उत्तराखंड की विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद ऋतु खंडूडी की यह सांसद अनिल बलूनी से पहली मुलाकात है। इस अवसर पर अनिल बलूनी ने ऋतु खंडूडी को प्रथम महिला विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में सफलतम कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

आप सालाना 44 घंटे की नींद खो रहे हैं - जानते है क्या है वजह ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ग्लोबल वॉर्मिंग का असर अब हमारी नींद पर भी देखने को मिल रहा है। डेनमार्क की कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी की एक हालिया रिसर्च के मुताबिक, बढ़ते तापमान के साथ ही हमारी नींद की अवधि घटती जा रही है। ऐसा रात में गर्मी बढ़ने के कारण हो रहा है। रिसर्चर्स की मानें तो औसतन एक व्यक्ति हर साल अपनी नींद के 44 घंटे खो रहा है।

68 देशों के लोगों पर हुई रिसर्च

यह रिसर्च 68 देशों के 47,000 लोगों पर की गई है। वैज्ञानिकों ने रिस्ट बैंड्स की मदद से इन लोगों की 70 लाख रातों की नींद को ट्रैक किया। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी के तापमान में इजाफा होता ही जा रहा है, जिस वजह से हम अपनी नींद के कुछ और कीमती पल भी खोएंगे।रिसर्चर्स के अनुसार, यह स्लीप लॉस पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में एक चौथाई ज्यादा हो रहा है। साथ ही, 65+ उम्र के लोगों में दोगुना और लो इनकम देशों के लोगों में तीन गुना है। इससे पहले हुई स्टडीज में वैज्ञानिकों ने मेंटल हेल्थ, हार्ट अटैक, खुदकुशी और दुर्घटनाओं पर क्लाइमेट चेंज के असर की जांच की थी।

महिलाओं में ज्यादा स्लीप लॉस क्यों ?

रिसर्च में कहा गया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं की बॉडी रात में सोने से पहले जल्दी ठंडी हो जाती है। इसलिए रात में गर्मी बढ़ने पर महिलाएं ज्यादा प्रभावित होती हैं। इसके अलावा महिलाओं में औसतन त्वचा के नीचे का फैट भी ज्यादा होता है, जिसके चलते उनकी कूलिंग प्रोसेस स्लो हो जाती है।बूढ़े लोगों की बात करें तो वो वैसे ही रात में कम सोते हैं और गरीब देशों में कूलिंग की अच्छी सुविधाएं कम होने के कारण वहां के लोग गर्मी से जूझते हैं।

कलमकारों को पत्रकारिता दिवस की बधाई : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर सभी मीडिया प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दी हैं। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता देश की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

स्वतंत्रता आन्दोलन में हिन्दी पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं ने समाज में जन जागरूकता के प्रसार में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक सूचना, तकनीकी एवं सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में हिदी पत्रकारिता के समक्ष नई चुनौतियों के साथ ही इसकी प्रासंगिकता भी बढ़ी है।

युवक का अपहरण कर फिरौती मांगने वाले दो दबोचे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लक्सर (रुड़की)। युवक के अपहरण कर फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। युवक भी सकुशल मिल गया है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने एक महिला के माध्यम से युवक को हनीट्रैप में फंसाकर अपहरण की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस महिला की भी तलाश कर रही है। दोनों को जेल भेज दिया गया है।

लक्सर कोतवाली क्षेत्र स्थित गांव संघीपुर निवासी सरफराज (28) बृहस्पतिवार सुबह बच्चों की किताबें लेने रुड़की गया था। देर शाम सरफराज के मोबाइल से परिजनों को कॉल आई थी कि उनके बेटे का अपहरण हो गया है। फोन करने वालों ने उनसे छह लाख की फिरौती मांगी थी। परिजनों ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को पूरी जानकारी दी थी।

पुलिस ने युवक के मोबाइल लोकेशन की जांच तो पानीपत, हरियाणा में मिली। लोकेशन के आधार पर पुलिस की एक टीम हरियाणा पहुंची। स्थानीय पुलिस की मदद से लक्सर पुलिस ने युवक को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही अपहरण करने वाले दो आरोपियों को भी धर दबोचा। पुलिस दोनों आरोपियों को हरियाणा से लक्सर लेकर पहुंची।

दोनों ने अपना नाम व पता उस्मान निवासी इंदिरा चौक बिस्मिल्लाह बरात घर, थाना मंडी सहारनपुर और नरेश निवासी गांव मतलोढा, जिला पानीपत हरियाणा बताया। दोनों ने बताया कि एक महिला के माध्यम से वह लोगों को सोशल मीडिया पर कॉल करके फंसाते हैं।

बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड ने खंगाला रेलवे स्टेशन

हरिद्वार। सोमवती अमावस्या स्नान को लेकर हरिद्वार में जीआरपी व आरपीएफ ने डॉग स्क्वायड व बम निरोधक दस्ते के साथ रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान रेलवे स्टेशन पर बैठे यात्रियों के बैग की तलाशी ली गई, वहीं कई संदिग्धों से पूछताछ भी की गई। कुछ दिन पहले हरिद्वार समेत कई रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जिसके बाद जीआरपी व आरपीएफ पूरी तरह सतर्क है।

Lost Certificate

This is to declare that I AKRITI NEGI have Prretrievably lost my 10th and 12th marksheet and Pass certificate with Index no T/2223/065, B9490/048 having Passed in year 2011 and 2013 respectively from MARSHALL SCHOOL DEHRADUN

उत्तराखंड के दुर्गम गांव की महिलाओं का सशक्तिकरण हमारा लक्ष्य : डॉ भावना गोयल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वातावरण को पॉलिथीन प्रदूषण से रोकने व उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव की महिलाओं के सशक्तिकरण के संबंध में बढ़ते महत्वपूर्ण कदमों की अग्रिम श्रंखला में भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के इक्विटी एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (SEED) डिवीजन की परियोजना के द्वारा उत्तराखंड के नैनीताल, अल्मोड़ा जिले के दूरवर्ती गांव जैसे हवालबाग, धारी, खुट धामस, खत्यारी आदि में रहने वाली महिलाओं के लिए जागरूकता \प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन परियोजना संचालक, पोस्टडॉक्टरल वूमेन साइंटिस्ट (यूजीसी) व सचिव उन्नति महिला उद्यमिता एवं प्रशिक्षण समिति देहरादून, डॉ भावना गोयल ने अमरेश सिरोही, साइंटिस्ट कृषि विज्ञान केंद्र मटेला (केवीके), अल्मोड़ा के सहयोग व कुशल मार्गदर्शन के अंतर्गत किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना व प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग करके पॉलीथिन के प्रयोग से होने वाले वातावरण के प्रदूषण को रोकना, स्थानीय उत्पादों और संसाधनों को प्रयोग करके महिलाओं उन्हीं की जगह पर रहकर रोजगार प्रदान करना है। इन महिलाओं में उन्हीं के गांव में आसपास उगने वाली बिच्छू घास से निकलने वाले रेशे और उन से बनने वाले ऐसे विभिन्न बायोडिग्रेडेबल मूल्य वर्धित उत्पाद जोकि पॉलिथीन की जगह पर प्रयोग में लाए जा सकें, को बनाने के बारे में जागरूकता प्रदान की गई ब प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। जिसे सीखने में महिलाओं ने बहुत रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हमारे गांव में चलाए जाने बहुत आवश्यक है क्योंकि हम महिलाएं अपने घर को छोड़कर और जिम्मेदारियों को निभाते हुए यह इस तरह के आजीविका के साधनों को अपनाने में बहुत ही ज्यादा उत्साहित हैं। इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने सफाई के साथ रहने और समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए भी प्रेरित किया गया।जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को कोरोनावायरस से बचने हेतु मास्क लगाने और कार्य करते समय आपस में निश्चित दूरी बनाने व टीकाकरण

के संबंध में भी जानकारी दी गई। महिलाओं ने अपने गांव में रोजगार के साधनों के अभाव में अपने घर के पुरुषों और अपने बच्चों को गांव छोड़कर शहरों की तरह पलायन करने में बहुत ज्यादा चिंता दिखाई दी गई। महिलाएं यह चाहती हैं कि उनके गांव का भी विकास हो और उनके गांव देश के और समाज के विकास में अपना बेहतर योगदान दे सकें इसके लिए उन्होंने कहा कि अगर हमारे गांव में लगातार ऐसे प्रोग्राम चलाए जाएं तो निश्चित रूप से यह पलायन बहुत अच्छे से रोका जा सकता है सभी महिलाओं ने इस कार्यक्रम में बहुत ही जागरूकता, उत्साह रुचि के साथ हिस्सा लिया और उन्होंने भविष्य में इस परियोजना में दिल लगाकर काम करने के लिए आश्वासन दिया।

संगठन विस्तार पर है पार्टी का पूरा फोकस : जोत सिंह बिष्ट, प्रदेश संगठन समन्व्यक आप

■ लोगों में बढ रहा आप पार्टी के लिए क्रेज, लगातार आप में लोगों के जुडने का सिलसिला जारी फोकस : जोत सिंह बिष्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

करारी हार के बाद उत्तराखंड में आप अब कार्यकर्ताओं को जोड़ने पंर ज्यादा ध्यान दे रही है। उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व दिग्गज नेता जोत सिंह बिष्ट ने झाड़ू थामते ही सक्रियता बढ़ दी है जिसका असर दिखने लगा है। इस दौरान आम आदमी पार्टी की सदस्यता लेने वालों का सिलसिला लगातार प्रदेश में जारी है और आज आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष डिंपल सिंह, उमा सिसोदिया ,सुधा पटवाल सुदेश सैनी और नासिर खान की उपस्थिति में दर्जनों लोगों ने आम आदमी पार्टी का दामन थामा।

इस दौरान यहां मौजूद सभी प्रदेश के पदाधिकारियों ने कार्यालय में आए सभी लोगों को आम आदमी पार्टी की टोपी पर पटके पहनाकर आप पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस दौरान जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि आम आदमी पार्टी की नीतियों से लोग लगातार प्रभावित हो रहे हैं और आम आदमी पार्टी में आने का सिलसिला लोगों का लगातार

जारी है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली के साथ-साथ जब से पंजाब में सरकार बनी है और जिस तरीके से पंजाब और दिल्ली सरकार दोनों ऐतिहासिक कार्य कर रहे हैं उससे कहीं ना कहीं आम आदमी पार्टी का क्रेज लोगों में और भी ज्यादा देखने को मिल रहा है।उन्होंने आगे कहा कि उत्तराखंड सरकार जीरो टॉलरेंस की बात करती है लेकिन आज तक कई ऐसे भ्रष्टाचारी हैं जिन पर कोई कार्यवाही नहीं की गई जबकि पंजाब में एक कैबिनेट मंत्री पर आरोप लगते ही उसे आम आदमी पार्टी के पंजाब सीएम भगवंत मान ने तुरंत कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया जो भ्रष्टाचार पर प्रहार का जीता जागता नमूना है। जोत सिंह बिष्ट ने आगे कहा कि यह तो शुरुआत है आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी में आने वालों का सिलसिला और ज्यादा बढ़ेगा और अभी मौजूदा समय में संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार आम आदमी पार्टी कार्य कर रही है और जल्द ही नतीजे सबके सामने होंगे।उन्होंने सदस्यता लेने वाले सभी लोगों को आम आदमी पार्टी में आने के लिए शुभकामनाएं दी। पार्टी की सदस्यता लेने वालों में बलवन्त पंवार, सचिन सिंह, मोहन सिंह, आयुष सिंह, निखिल भाटिया, महबूब, सोनू सिंह, नीतू सिंह, बृजेश सिंह, दीप चंद, आयुष शर्मा, आयुष कुमार, विनोद नेगी, अशोक कुमार, राहुल काकड़, कार्तिक शाह, दीपांशु शाह आदि लोग मौजूद रहे।

ड्रोन महोत्सव में दिखा ITDA और DARC का दमदार प्रदर्शन : अमित सिन्हा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में देश के सबसे बड़े ड्रोन महोत्सव के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'ऐसे वक्त, जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, मेरा सपना है कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में एक स्मार्ट फोन हो, प्रत्येक खेत में एक ड्रोन हो और प्रत्येक घर में समृद्धि हो।' उन्होंने कहा कि भारत में ड्रोन प्रौद्योगिकी को लेकर जिस तरह का जोश देखा जा रहा है, वह अद्भुत है और इस उभरते क्षेत्र में रोजगार पैदा होने की संभावनाओं का संकेत देता है।

पीएम मोदी ने कहा कि पीएम स्वामित्व योजना इस बात का उदाहरण है कि कैसे ड्रोन प्रौद्योगिकी बड़ी क्रांति का आधार बन रही है, इसके जरिए पहली बार गांवों में सभी संपत्तियों की माप डिजिटल तरीके से की जा रही है और

लोगों को 65 लाख डिजिटल संपत्ति कार्ड दिए गए हैं। उन्होंने युवाओं से ड्रोन के क्षेत्र में स्टार्टअप विकसित करने को कहा और उम्मीद जताई कि देश के पुलिस बल के लिए भी ड्रोन उपयोगी साबित होंगे।

1600 से ज्यादा भागीदार

दो दिवसीय 'भारत ड्रोन महोत्सव 2022' में सरकारी अधिकारियों, विदेशी राजनयिकों, सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों सहित, निजी कंपनियों और ड्रोन स्टार्टअप से जुड़े 1600 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

उत्तराखंड सरकार भी ड्रोन महोत्सव का बनी हिस्सा

ITDA और DARC ने भी इस बेहद अहम महोत्सव में भागीदारी करते हुए प्रदेश में तकनीकी और खास कर ड्रोन के उपयोग , ट्रेनिंग और उसकी पहाड़ों में बढ़ती अहमियत और उपलब्धता से जुड़ी तमाम जानकारियां विजिटर्स को साझा की। इस दौरान प्रदेश का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ आईपीएस अफसर और

आइटीडीए के प्रमुख अमित सिन्हा ने मीडिया और डेलीगेट्स को प्रदेश में ड्रोन के क्षेत्र में किये जा रहे नए नए प्रयोग और टेक्निकल डेवलोपमेन्ट की जानकारी दी।

उत्तराखंड में 21 सालों में माननीयों के भत्ते 30 गुणा उछाल, ये है हिसाब किताब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भले ही आम आदमी मंहगाई बेरोजगारी से जूझ रहा है , भले ही राज्य केंद्र के दिए कर्जों से परेशान है। लेकिन आपके चुने हुए विधायकों की जेब भत्ते की शक्ल में कई गुना तेज़ी से भर रही है ये हम नहीं आरटीआई के जवाब में पता चला है। आपको बता दें कि सूचना के अधिकार के तहत विधायकों के वेतन और भत्तों में बढ़ोतरी की जानकारी सम्बंधित विभाग से मांगी थी। विधानसभा सचिवालय की ओर से दी गई सूचना के अनुसार राज्य गठन के बाद विधायकों का वेतन दो हजार से बढ़ कर 30 हजार, जनसेवा भत्ता 200 से दो हजार प्रतिदिन और निर्वाचन क्षेत्र भत्ता पांच हजार से बढ़ कर 1.50 लाख हुआ है।

आपको यकीन हो न हो लेकिन ये सच है कि उत्तराखंड बनने के 21 सालों में पहाड़ में माननीयों के भत्तों में 30 गुणा और वेतन में 15 गुणा की बढ़ोतरी हुई है। यह खुलासा सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी से हुआ है। विधानसभा सचिवालय की ओर से राज्य गठन के बाद से विधायकों के वेतन और भत्तों में की बढ़ोतरी की जानकारी दी गई है।

काशीपुर के आरटीआई कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने सूचना का अधिकार के तहत विधायकों के वेतन और भत्तों में बढ़ोतरी की जानकारी मांगी थी। विधानसभा सचिवालय की ओर से दी गई सूचना के अनुसार राज्य गठन के बाद विधायकों का वेतन दो हजार से बढ़ कर 30 हजार, जनसेवा भत्ता 200 से दो हजार प्रतिदिन और निर्वाचन क्षेत्र भत्ता पांच हजार से बढ़ कर 1.50 लाख हुआ है।

राज्य गठन से 2021 तक 21 वर्षों में विधायकों का वेतन 15 गुना हो गया है जबकि

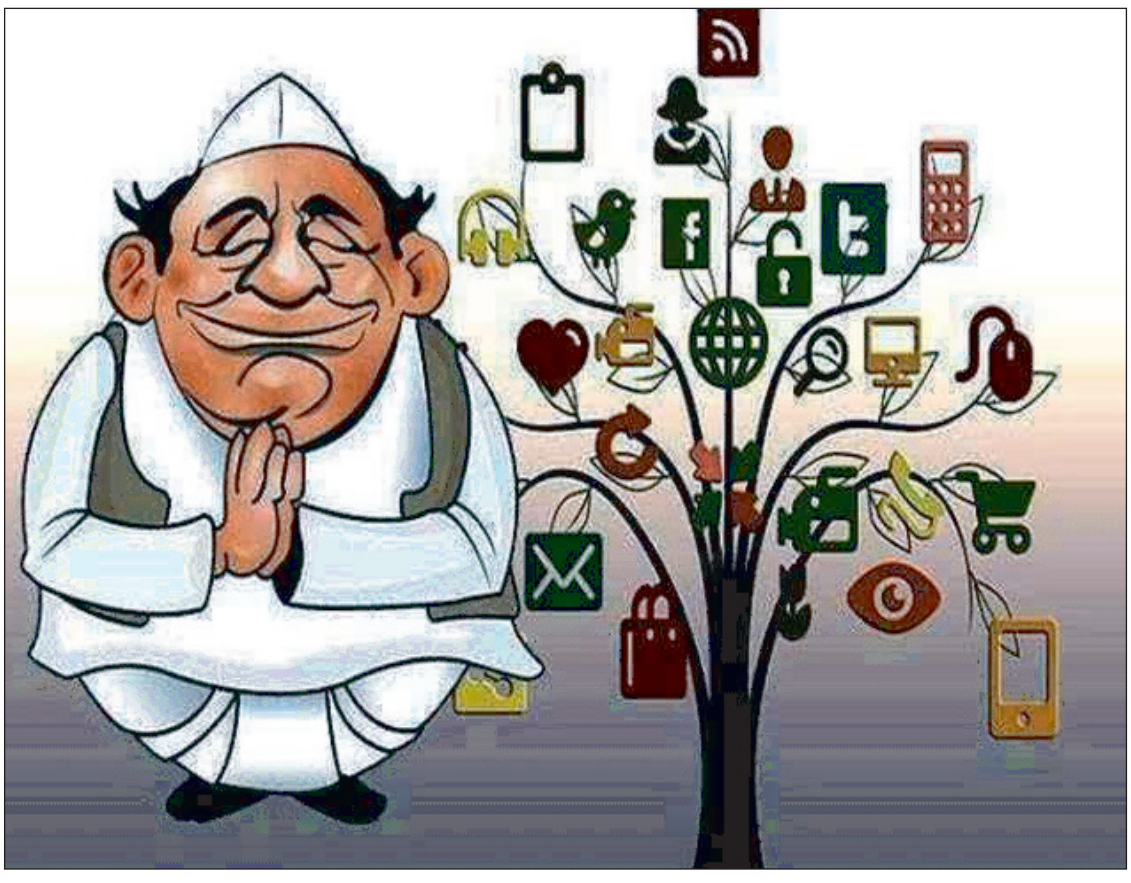

अन्य भत्तों में भी भारी बढ़ोत्तरी हुई है। राज्य गठन के समय नवंबर 2000 को विधायकों का वेतन 2000 रुपये प्रतिमाह था। जो एक अप्रैल 2017 से बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह हो गया।

उत्तराखंड गठन के चौथे साल में 2004 से वेतन तीन हजार, 2009 से 5000 और 2014 से 10 हजार किया गया था। इसके अलावा विधायकों को मिलने वाले निर्वाचन क्षेत्र भत्तों को 30 गुणा बढ़ाकर 1.50 लाख रुपये कर दिया। वर्ष 2000 में निर्वाचन क्षेत्र भत्ता 5000 था। 2017 से यह बढ़ाकर 1.50 लाख रुपये किया गया। राज्य गठन के समय विधायकों को चालक भत्ता नहीं मिलता था। 2014 से 3 हजार रुपये मिलना शुरू हुआ था। 2017 से चालक भत्ता बढ़ाकर 12 हजार रुपये कर दिया गया।

सूचना के मुताबिक विधायकों के रेलवे कूपन व डीजल पेट्रोल भत्ते में भी बढ़ोतरी की गई। राज्य गठन के समय इसकी दर 93 हजार रुपये प्रतिवर्ष थी। जिसमें 60 हजार रुपये नकद डीजल पेट्रोल भत्ते के रूप में प्राप्त कर सकते हैं। 2004 से 1.20 लाख और 2017 से बढ़ाकर 3.55 लाख किया गया। अभी ये इजाफे की रफ़्तार और आगे बढ़ेगी क्योंकि इस इकलौते मुद्दे पर पूरा सदन और पक्ष विपक्ष एक सुर में मंजूरी देने में देर नहीं करते हैं।

यात्रा मार्ग पर जानवरों के साथ क्रूरता बर्दाश्त नहीं : सौरभ बहुगणा, पशुपालन मंत्री

आशीष तिवारी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के युवा कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने चार धाम यात्रा मार्ग पर यात्रियों की सहूलियत के लिए पशुओं के व्यावसायिक इस्तेमाल पर सख्त निर्देश दिए हैं। बीते दिनों पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने भी मंत्री बहुगुणा को खच्चरों की मौत पर उठे हंगामे के बाद इस मामले में हस्तक्षेप करने की सलाह दी थी। रियलिटी चेक करने के साथ साथ पशुपालन मंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को बेहद गंभीरता से ज़िम्मेदारी निभाने की सलाह दी है।

रुद्रप्रयाग पहुँचे पशुपालन, दुग्ध विकास, मत्स्य पालन, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, प्रोटोकॉल, कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगणा ने केदारनाथ यात्रा मार्ग सोनप्रयाग से गौरीकुण्ड तक स्थलीय निरीक्षण किया। पशुपालन मंत्री ने यात्रा मार्ग में संचालित हो रहे घोड़े खच्चरों के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं घोडे. खच्चर संचालको से घोड़े खच्चरों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये। उन्होनें यात्रा मार्ग में घोड़े खच्चरों के पानी, रखरखाव की उचित व्यवस्था करने एवं जानवरों के साथ क्रूरता न करने के निर्देश घोड़े खच्चर संचालकों एवं हॉकरों को दिए।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने यात्रा मार्ग पर संचालित घोडा खच्चरों में से पचास फीसदी का संचालन ही एक दिन में करने के निर्देश दिए, उन्होंने हर हाल में घोड़े खच्चरों को एक दिन का आराम देने के निर्देश दिए। किसी भी दशा में घोड़े खच्चरों से डबल चक्कर न लगाये जाय, इसके लिये उन्होने पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि यदि किसी के द्वारा ऐसा किया जाता है तो उसके विरुद्व नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।

कैबिनेट मंत्री ने घोड़ा पड़ाव में घोडे खच्चरों के रहने के लिए शेड तैयार करने के हेतु उपजिलाधिकारी ऊखीमठ को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही चिकित्सकों के लिए सोनप्रयाग एंव गौरीकुण्ड में आवास व्यवस्था करने के भी निर्देश दिये गये। मंत्री द्वारा घोड़े खच्चर यूनियन के अध्यक्ष से वार्ता करते हुए कहा कि यात्रा मार्ग में संचालित हो रहे घोड़े खच्चरों का ध्यान रखने को कहा गया। उन्होनें यह भी कहा कि यदि किसी मालिक एवं हॉकर द्वारा घोड़े खच्चर की देख-भाल ठीक ढंग से नही की जाती है तो इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी जाये। उन्होनें यह भी निर्देश दिये है कि यदि किसी घोड़े खच्चर की मृत्यु हो जाती है तो सुलभ द्वारा उसको दफनाने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, सचिव पशुपालन, सहकारिता, डेयरी डॉ बी.बी.आर.सी. पुरुषोतम, अपर पुलिस अधीक्षक स्वप्न किशोर सिंह, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ जितेन्द्र वर्मा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ आशीष रावत, पुलिस उपाधीक्षक सोनप्रयाग योगेन्द्र गुसांई, गुप्तकाशी विमल रावत, घोडे खच्चर यूनियन के पदाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आ गया यूकेडी का एप्प, अब मिलेगी ऑन लाइन सदस्यता : काशी सिंह ऐरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड क्रांति दल ने एक कदम आगे बढ़ाया है और राजनैतिक प्रबंधन को मजबूत करने के लिए केनाल रोड़ राजपुर रोड़ देहरादून में भारत पार्टी जोन में दल के अध्यक्ष श्री काशी सिंह ऐरी द्वारा उत्तराखंड क्रांति दल का एप्प व ऑन लाइन सदस्यता अभियान लॉन्च किया गया। सोशल मीडिया प्रबंधन के लिए आर. टीवा ग्रुप के एम0डी0, सी इ ओ अनुज भाष्कर व अजय सकलानी के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर दल के केंद्रीय अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी ने कहा कि दल को सांगठनिक मजबूती के लिए सोशल मिडिया का मजबूत होना व प्रोग्राम को मजबूती के साथ आगे बढ़ना होगा। साथ ही प्रत्येक पदाधिकारियों को अनुशासन के साथ रहे।

इस अवसर पर अनुज भाष्कर ने मेकेनिज्म प्लान पर योजना बताई, साथ ही अजय सकलानी ने कहाँ कि आर वीटा ग्रुप उक्रांद को प्रोमोट के लिए कार्य करेगा। इस अवसर पर सुरेन्द्र कुकरेती, डॉ शक्ति शेल कपरुवाण, पूर्व आई ए एस सुरेन्द्र सिंह पांगती,प्रताप शाही,किशन मेहता, सुनील ध्यानी,डी डी जोशी बहादुर सिंह रावत, विजय बौडाई,ललित बिष्ट, वी के ओली, पी सी थपलियाल,विपिन रावत, बिजेंद्र रावत, डॉ पंकज पैन्यली राजेंद्र बिष्ट,टीकम राठौर, शिव प्रसाद सेमवाल,मीनाक्षी घिल्डियाल,राज नितिन रावत,संजय डोभाल, अभिषेक बहुगुणा, शांखधर, योगी पंवार आदि थे।

संपादकीय

‘ठेके’ पर सेना के जवान!

अब सरकारी नौकरी पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। चूंकि बाज़ार और अर्थव्यवस्था बदल रहे हैं, लिहाजा दलीलें दी जा रही हैं कि रोज़गार का स्वरूप भी बदला है। सरकारी नौकरियां सिकुड़ रही हैं। फिलहाल जो उपलब्ध हैं, उन्हें खाली रखा जा रहा है अथवा समाप्त किया जा रहा है। एक निश्चित अवधि के लिए सरकारी नौकरी ‘ठेके’ पर देने का चलन बढ़ने के आसार हैं। यानी सरकारी नौकरी में ‘स्थायित्व’ और ‘पेंशन’ की गारंटी के जो भाव थे, वे भी विलुप्त होते जा रहे हैं। रेलवे और सेना ऐसे क्षेत्र रहे हैं, जिनमें सबसे अधिक नौकरियों के अवसर हैं और नौकरियां मुहैया भी कराई जाती रही हैं। सरकार ने उन पर तलवार चलाना शुरू कर दिया है। रेलवे में करीब 13.5 लाख कर्मचारी हैं। उनमें से गैर-संरक्षा वर्ग के 91,629 पदों पर अब नई भर्ती नहीं होगी। करीब 1.5 लाख अन्य पदों पर भी तलवार लटकी है। अंततः ये पद समाप्त कर दिए जाएंगे। रेलवे के कारखानों और फैक्ट्रियों में भी छंटनी के पुख्ता आसार हैं। रेलवे 20,000 से ज्यादा गाड़ियां हररोज़ चलाता है। उनके श्रमिक नेताओं का आकलन है कि रेलवे में एक लाख से ज्यादा कर्मचारियों की तुरंत आवश्यकता है, लिहाजा भर्तियां की जाएं। सरकार ‘आउटसोर्स’ करके ऐसे कार्यबल का बंदोबस्त करना चाहती है, ऐसा भरोसेमंद सूत्रों ने खुलासा किया है। सेना का मामला रेलवे से कहीं ज्यादा संवेदनशील और देशहित में है, क्योंकि हमारी सरहदें शत्रु-देशों से घिरी हैं। एक ओर चीन है, तो दूसरी तरफ पाकिस्तान और उसका आतंकवाद है। हमारी सेनाओं का स्वरूप ‘जवान’ पर आधारित है। हमारे जांबाज ही बुनियादी तौर पर युद्ध को जीतते रहे हैं। हथियार भी जवानों के ही मोहताज हैं। बीते चार सालों से सेना में जवानों की भर्तियां नहीं हुई हैं। सेना में जवानों की भर्ती की उम्र भी सीमित है, नतीजतन युवा असमय ही ‘बूढ़े’ हो रहे हैं और वे सेना में सैनिक नहीं बन पा रहे हैं। चिंतित पक्ष यह है कि सरकार ने लगभग तय कर लिया है कि अब सेना में जवानों की भर्ती महज चार साल के लिए, ‘ठेके’ पर, की जाएगी। उसके बाद सेवाएं समाप्त और कोई पेंशन भी नहीं। हालांकि जो जवान चार साल ‘ठेकेदारी’ पर काम करेंगे, उनमें से 25 फीसदी का चयन दोबारा फिर किया जाएगा, लेकिन पिछले चार साल की नौकरी गिनी नहीं जाएगी। सेना में पहले सैनिक की औसतन उम्र 15 साल होती थी। वह नौकरी करने के बाद उसे पेंशन भी दी जाती रही है। एक निश्चितता रहती थी। पूर्व सैनिक के तौर पर भी कई सेवाओं में नौकरियां मिल जाती थीं, लिहाजा जीवन और परिवार सुचारू तौर पर चलता रहा है। नई संभावित व्यवस्था पर देश के रक्षा विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं कि सरकार किस आधार पर सेना को भी ‘ठेके’ पर धकेल देना चाहती है?

मध्यमेश्वर-पांडवशेरा ट्रैक पर लापता नौ ट्रैकर की लोकेशन मिली

गुफा में सुरक्षित, निकालने के लिए सेना से मदद मांगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग : मध्यमेश्वर-पांडवशेरा ट्रैक पर लापता हुए नौ ट्रैकर की लोकेशन का पता चल गया है। सूचना पर राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की सर्च एवं रेस्क्यू टीम ने देहरादून से हेलीकाप्टर से उड़ान भरी। लेकिन, घना कोहरा होने के कारण हेलीकाप्टर पांडवशेरा नहीं जा सका। टीम वापस अगस्त्यमुनि आ गई है।

रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि पांच ट्रैकर व चार पोर्टर पांडवशेरा में फंसे हैं। उनके पास एक दो दिन का राशन बचा हुआ है और सुरक्षित गुफा में हैं। उनको वहां से सुरक्षित निकालने के लिए सेना से मदद मांगी गई है। रविवार को उनको सुरक्षित निकाल लिया जाएगा।

रुद्रप्रयाग जिला कंट्रोल रूम से एसडीआरएफ को सूचना मिली कि नौ ट्रैकर्स पांडवशेरा ट्रैक पर ट्रैकिंग के दौरान लापता हो गए है, जिनके पास भोजन व पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, जिन्हें मदद की आवश्यकता है। पुलिस उपमहानिरीक्षक एसडीआरएफ रिद्धिम अग्रवाल ने घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए त्वरित रेस्क्यू के लिए नागरिक उड्डयन विभाग से चापर की व्यवस्था करते हुए त्वरित रेस्क्यू के निर्देश दिए।

एसडीआरएफ के सेनानायक मणिकांत मिश्रा के दिशा-निर्देशन में एसडीआरएफ की हाई एल्टीट्यूट रेस्क्यू टीम त्वरित रेस्क्यू के लिए जरूरी रेस्क्यू उपकरणों व सेटेलाइट फोन के साथ सहस्त्रधारा हेलीपैड से चापर के जरिये पांडवशेरा ट्रैक के लिए रवाना हुई। टीम ने पांडवशेरा रूट पर सर्च एंड रेस्क्यू आपरेशन शुरू किया। लेकिन, मौसम खराब होने व मध्यमेश्वर घाटी में घने बादल छाए होने से रेस्क्यू टीम का हेलीकाप्टर वापस लौट आया।

120 बसों में 3600 श्रद्धालु धामों के लिए रवाना

एसडीआरएफ काउंटर में अब तक हुए 2000 पंजीकरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश। चार धाम यात्रा के तहत रविवार की दोपहर तक 120 बसों में करीब 3600 श्रद्धालु यात्रा पर रवाना हुए। एसडीआरएफ के काउंटर में चार धाम और बदरीनाथ धाम के लिए आफलाइन पंजीकरण स्लाट खोले जाने के बाद दोपहर तक दो हजार यात्रियों का पंजीकरण किया गया।प्रशासन की ओर से 15 काउंटर खोल कर श्रद्धालुओं को बड़ी राहत दी गई है। यात्रा प्रशासन संगठन के भवनों के भीतर श्रद्धालुओं को बैठाकर डिवाइस के जरिए भी पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

चारधाम यात्रा के तहत धामों पर अत्यधिक भीड़ बढ़ जाने के कारण प्रशासन की ओर से आफलाइन पंजीकरण नियंत्रित कर दिया गया था। निर्धारित संख्या में ही स्लाट जारी किए गए थे। ऋषिकेश में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही थी। वर्तमान में बस टर्मिनल कंपाउंड परिसर में ही करीब ढाई हजार श्रद्धालु रुके हैं। जबकि यहां के आश्रम और धर्मशालाओं को मिलाकर करीब 10 हजार यात्री यहां यात्रा पर जाने का इंतजार कर रहे हैं। ऋषिकेश क्षेत्र में यात्री और बसों के लिए दबाव निरंतर बढ़ने के बाद प्रशासन की ओर से धामों पर दर्शन के स्लाट में वृद्धि की गई है। चार धाम के लिए दोपहर तक 2000 पंजीकरण पूरे हो चुके हैं। उप जिला अधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि मुख्य पंजीकरण केंद्र के सभी 12 काउंटर खोल दिए गए हैं। हेल्पडेस्क में बने काउंटर में भी तीन जगह पंजीकरण के लिए अलग से लाइन लगाई गई है। मुख्य भवन परिसर में हाल के भीतर बुजुर्ग श्रद्धालुओं को बैठाकर डिवाइस के जरिए पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इतनी सब व्यवस्था होने के बावजूद पंजीकरण केंद्र के बाहर श्रद्धालु धूप में लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। गर्मी में परेशान श्रद्धालुओं को राहत पहुंचाने के लिए लायंस क्लब रायल की ओर से पानी की बोतलें उपलब्ध कराई गई। इतना ही नहीं स्थानीय सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से श्रद्धालुओं को दो समय का भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

रविवार की दोपहर यात्रा प्रशासन कार्यालय भवन के समीप अपर जिलाधिकारी डा. एसके बरनवाल,उप जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग से 500 व्यक्तियों के लिए मुफ्त भोजन सुविधा की शुरुआत की। एआरटीओ प्रवर्तन मोहित कोठारी ने बताया कि रविवार दोपहर दो बजे तक 120 बसों में करीब 3600 श्रद्धालुओं को यात्रा पर रवाना किया गया। संयुक्त रोटेशन की ओर से 80, परिवहन निगम की ओर से 15, दून वैली कंपनी की ओर से 11 और यातायात कंपनी की ओर से 14 बस यात्रा पर भेजी गई।

सिद्धू मूसेवाला की मौत से सदमे में फैंस, सोशल मीडिया पर यूं दे रहे अपने फेवरेट सिंगर को श्रद्धांजलि

चंडीगढ एजेंसी। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की रविवार को हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई ने ली है। दो गाड़ियों से आए हमलावरों ने सिंगर की थार पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने 40 गोलियां सिंगर की गाड़ी पर दागी जिसमें से कई गोलियां लगने से वह बुरी तरह घायल हो गए। सिंगर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। सिंगर की हत्या से फिल्म इंडस्ट्री के साथ उनके फैंस भी गहरे सदमे में है। सिद्धू के प्रशंसकों को यकीन नहीं हो रहा है कि उनका फेवरेट सिंगर अब इस दुनिया में नहीं है।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या की खबर सामने आते ही ट्विटर पर #Sidhumoosawala ट्रेंड करने लगा। फैंस इस हैशटैग का इस्तेमाल कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। एक फैन ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'आपकी आवाज और विरासत हमारे दिलों में हमेशा अमर रहेगी।' वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'यकीन नहीं हो रहा कि वह अब इस दुनिया में नहीं हैं।'

एक अन्य यूजर ने ट्वीट किया, 'रेस्ट इन पीस सिद्धू, 28 साल का इतना प्रतिभाशाली युवक जिसे जीवन और करियर में अभी बहुत कुछ हासिल करना था। अब इस दुनिया में नहीं है। यह बहुत चौंकाने वाला है।' इसके अलावा ढेर सारे ट्विटर यूजर सिंगर को अपने ट्वीट के माध्यम से श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद सिद्धू मूसेवाला ने अपनी हार की भड़ास एक गाने के जरिए निकालने की कोशिश की थी। मानसा से कांग्रेस की टिकट पर लड़ने वाले सिद्धू को आप के उम्मीदवार से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने स्केपगोट रिलीज किया था। उन्होंने इस गाने के जरिए वोटरों पर अपनी भड़ास निकालकर पूछा था कि गद्दार कौन है? गाना रिलीज होने के बाद इस पर खूब विवाद हुआ था। अपनी हार पर उन्होंने कहा था कि मैंने पिछड़े हुए इलाके को ब्रांड बनाया और चुनाव में इन्होंने मुझे ही हरा दिया।

फोटो : फाइल

आईपीएल-2022 का ताज गुजरात टाइटंस के नाम

राजस्थान को तीसरी बार हराकर नई चैंपियन बनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आईपीएल की नई टीम गुजरात टाइटंस ने टी-20 लीग के 15वें सीजन का खिताब जीत लिया है। गुजरात ने आईपीएल 2022 के खिताबी मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात विकेट से जीत हासिल की। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात की टीम ने राजस्थान के 131 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया और 18.1 ओवर में जीत दर्ज की। गुजरात की तरफ से शुभमन गिल 43 गेंदों में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। लेकिन टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 30 गेंदों में 34 रन बनाए और तीन विकेट भी लिए।

राजस्थान के 131 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ऋद्धिमान साहा दूसरे ही ओवर में पांच रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर बोल्ड हुए। मैथ्यू वेड भी आठ रन बनाकर बोल्ट की गेंद पर रियान पराग को कैच थमा बैठे। गुजरात की टीम पांचवें ओवर में 23 के स्कोर पर दो विकेट गंवाकर मुश्किल में थी, लेकिन कप्तान हार्दिक पांड्या ने शुभमन गिल मिलकर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की। दोनों ने 53 गेंदों में तेजी से 63 रन जोड़े। हार्दिक हालांकि 14वें ओवर में युजवेंद्र चहल की गेंद पर यशस्वी को कैच थमा बैठे। उन्होंने 30 गेंदो में 34 रन बनाए।

डेविड मिलर और शुभमन गिल ने इसके बाद मिलकर पारी को आगे बढ़ाया और 29 गेंदों में 47 रन की अटूट साझेदारी की। गिल 43 गेंदों में 45 रन और मिलर 19 गेंदों में 32 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। राजस्थान की शुरुआत हालांकि कुछ खास नहीं रही और यशस्वी जायसवाल चौथे ओवर में 16 गेंदों में 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। सैमसन और जोस बटलर ने मिलकर पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन राजस्थान के कप्तान संजू भी 11 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हो गए। देवदत्त पडिक्कल से टीम को संभालने की उम्मीद थी, लेकिन वह भी बेहद धीमी पारी खेलकर चलते बने। उन्होंने 10 गेंदों में महज दो रन बनाए और राशिद की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद शिमरोन हेटमायर (11), रविचंद्रन अश्विन (6) भी कुछ नहीं कर पाए और सस्ते में पवेलियन लौट गए। रियान पराग ने भी जैसे-तैसे 15 रन बनाए। जबकि ट्रेंट बोल्ट ने सात गेंदों में 11 रन बनाए। लेकिन राजस्थान की टीम 130 रन ही बना पाई।

इस्राइल से गुपचुप दोस्ती बढ़ाने के खुलासे से बवाल, राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने किया खुलासा

इस्लामाबाद, एजेंसी। अब तक इस्राइल को देश के तौर पर भी मान्यता नहीं देने वाला और खुद को फलस्तीनियों का सबसे बड़ा हमदर्द साबित करने वाला पाकिस्तान इस्राइल से गुपचुप दोस्ती बढ़ा रहा है।

इस्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने इसका खुलासा करते हुए कहा कि उन्होंने हाल में पाकिस्तानी अमेरिकियों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की है। इसका अनुभव खासा बेहतर रहा। इससे साबित होता है कि इस्राइल को लेकर इस्लामी दुनिया का नजरिया बदल रहा है।

इसका पता चलते ही पाकिस्तान में बवाल मच गया है। सरकार पर हमले का मौका तलाश रहे इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने सरकार पर हमले शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा, इस प्रतिनिधिमंडल को असल में शहबाज शरीफ की सरकार ने ही भेजा है।

उन्होंने शहबाज शरीफ को यहूदी एजेंट करार दे दिया। उनका कहना है कि सरकार ने इस्राइल से दोस्ती की पहल कर पूरी इस्लामी दुनिया को धोखा दिया है। ऊपर से भले पाकिस्तान इस्राइल से कितनी भी दूरी का दिखावा करे, लेकिन कोई लाभ दिखाई दे तो यह सरकार उससे कोई भी समझौता कर सकती है।

कांग्रेस ने राज्यसभा उम्मीदवारों का एलान किया, अजय माकन को हरियाणा, चिदंबरम को तमिलनाडु से दिया गया टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया है। पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को राज्यसभा भेजने की तैयारी की है। जिन लोगों को उम्मीदवार बनाया गया है, उनमें कर्नाटक से जयराम रमेश, मध्य प्रदेश विवेक तन्खा के नाम शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा से अजय माकन और तमिलनाडु से पी चिदंबरम राज्यसभा के लिए पार्टी के उम्मीदवार हैं।

कांग्रेस ने फिलहाल 10 राज्यसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इनमें राजस्थान से मुकुल वासनिक, प्रमोद तिवारी और रणदीप सिंह सुरजेवाला को प्रत्याशी घोषित किया गया है। उधर छत्तीसगढ़ से राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन को उम्मीदवार बनाया गया है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा